पाठ 11

-शुरुआत में आदम और हव्वा कहाँ रहते थे?

-अदन के बाग में।

-अदन की वाटिका में आदम और हव्वा कैसे थे?

-आदम और हव्वा बहुत खुश थे।

-आदम और हव्वा बहुत खुश क्यों थे?

-क्योंकि आदम और हव्वा परमेश्वर के साथ-साथ चले।

-क्योंकि आदम और हव्वा के पास वह सब कुछ था जिसकी उन्हें आवश्यकता थी।

-लेकिन शैतान, परमेश्वर का शत्रु कहाँ था?

-शैतान देख रहा था कि परमेश्वर ने आदम और हव्वा को कब बनाया।

-शैतान जानता था कि परमेश्वर ने आदम और हव्वा को परमेश्वर के स्वरूप में बनाया था, और वह बहुत क्रोधित था।

-शैतान जानता था कि परमेश्वर ने आदम को सारी पृथ्वी पर प्रधान बनाया है, और वह बहुत क्रोधित हुआ।

-शैतान परमेश्वर से नफरत करता है।

-शैतान जानता था कि वह परमेश्वर को हराने में सक्षम नहीं है।

-इसलिए, शैतान ने आदम और हव्वा को हराने का फैसला किया।

-इसलिए, शैतान ने आदम और हव्वा को नष्ट करने का फैसला किया।

- आपको क्या लगता है कि शैतान ने आदम और हव्वा को कैसे नष्ट करने की कोशिश की?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:1

1-अब सर्प यहोवा परमेश्वर द्वारा बनाए गए सभी जंगली जानवरों से अधिक चालाक था। उसने उस स्त्री से कहा, "क्या परमेश्वर ने सचमुच कहा था, 'तू बाटिका के किसी वृक्ष का फल न खाना'?"

- क्या सच में सांप हव्वा से बात कर रहा था?

-नहीं।

-वास्तव में हव्वा के साथ कौन बात कर रहा था?

-शैतान।

-क्या हव्वा को पता था कि शैतान उससे बात कर रहा था?

-नहीं।

-शैतान ने सांप में प्रवेश किया था।

-शैतान ने सांप में क्यों प्रवेश किया?

-खुद को छिपाने के लिए।

-शैतान सांप के अंदर क्यों छिपा था?

-क्योंकि शैतान हव्वा को फँसाना चाहता था।

-क्योंकि शैतान हव्वा को धोखा देना चाहता था।

-क्योंकि शैतान हव्वा को नष्ट करना चाहता था।

-यहाँ एक दृष्टांत है:

-जब एक शिकारी किसी जंगली जानवर को फंसाना चाहता है, तो क्या वह जानवर को फंसाने के लिए खुद को छुपाता है?

-हां।

-क्या होता है जब वह खुद को छुपाता नहीं है?

-वह जंगली जानवर को नहीं फंसा सकता।

-जैसे एक शिकारी जंगली जानवर को फंसाने के लिए छिप जाता है, उसी तरह शैतान हव्वा को फंसाने के लिए छिप गया।

-क्या शैतान आज लोगों को फंसाने और धोखा देने की कोशिश करता है?

-हां।

-शैतान आज कैसे लोगों को फंसाने और धोखा देने की कोशिश करता है?

-सबसे पहले, शैतान हमारे मन में हमसे बात करता है।

-दूसरा, शैतान अन्य लोगों के माध्यम से हमसे बात करता है।

-तीसरा, शैतान हमसे राक्षसों के माध्यम से बात करता है।

-सबसे पहले, शैतान हमारे मन में हमसे बात करता है।

-कभी-कभी शैतान हमारे दिमाग में अपने विचार रखता है।

-हम सोचते हैं कि विचार हमारे हैं, लेकिन वे शैतान के विचार हैं जो उसने हमारे दिमाग में डाल दिए हैं।

-शैतान आपको परमेश्वर के वचन पर विश्वास न करने के लिए कहेगा।

-वह विचार ईश्वर की ओर से नहीं है।

-वह विचार शैतान ने आपके दिमाग में डाला था।

-दूसरा, शैतान अन्य लोगों के माध्यम से हमसे बात करता है।

-अन्य लोग आपसे कह सकते हैं कि आप परमेश्वर के वचन को न सुनें।

-वह विचार ईश्वर की ओर से नहीं है।

-वह विचार एक ऐसा विचार था जिसे शैतान ने दूसरे व्यक्ति के मन में डाल दिया था।

-अन्य लोग आपसे कह सकते हैं, "हमारी अपनी मान्यताएं हैं। इसलिए, हमें इन नई मान्यताओं की आवश्यकता नहीं है।"

-वह विचार ईश्वर की ओर से नहीं है।

-वह विचार एक ऐसा विचार था जिसे शैतान ने दूसरे व्यक्ति के मन में डाल दिया था।

-तीसरा, शैतान हमसे राक्षसों के माध्यम से बात करता है।

-राक्षसों ने आपके पूर्वजों से बात की थी।

-राक्षसों ने आपके पूर्वजों से कहा कि वे अपने बच्चों को आग में जला दें, और उन्होंने ऐसा किया।

-वह विचार ईश्वर की ओर से नहीं है।

-वह विचार शैतान और उसके राक्षसों द्वारा आपके पूर्वजों के दिमाग में डाला गया था।

-क्या हव्वा को पता था कि शैतान उससे बात कर रहा था?

-नहीं।

-हव्वा को नहीं पता था कि शैतान उससे बात कर रहा है।

-क्योंकि शैतान खुद को छुपा रहा था।

-आपके पूर्वजों को नहीं पता था कि शैतान उनसे बात कर रहा था।

-क्योंकि शैतान खुद को छुपा रहा था।

-शैतान ने हव्वा को फंसाने और धोखा देने के लिए खुद को छुपा लिया।

-शैतान अपने पूर्वजों को फंसाने और धोखा देने के लिए छिप गया।

-शैतान हव्वा को क्यों फंसाना और धोखा देना चाहता था?

-क्योंकि शैतान हव्वा से नफरत करता था।

-क्योंकि शैतान हव्वा को नष्ट करना चाहता था।

-शैतान आपके पूर्वजों को फँसाकर धोखा क्यों देना चाहता था?

-क्योंकि शैतान सभी लोगों से नफरत करता है।

-क्योंकि शैतान सभी लोगों को नष्ट करना चाहता है।

-आइए उस प्रश्न को फिर से पढ़ें जो शैतान ने हव्वा से पूछा था।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:1

1-शैतान ने उस स्त्री से कहा, "क्या परमेश्वर ने सच में कहा है, कि तू बाटिका के किसी वृक्ष का फल न खाना?"

-शैतान ने हव्वा से यह सवाल क्यों पूछा?

-शैतान पहले से ही जानता था कि परमेश्वर ने क्या कहा है।

-शैतान को पहले से ही पता था कि परमेश्वर ने उन्हें अच्छाई और बुराई के ज्ञान के पेड़ से नहीं खाने के लिए कहा था।

-शैतान ने हव्वा से यह सवाल क्यों पूछा?

-शैतान ने हव्वा को फंसाने के लिए हव्वा से यह प्रश्न पूछा।

-शैतान ने हव्वा को धोखा देने के लिए हव्वा से यह प्रश्न पूछा।

-शैतान ने हव्वा को यह प्रश्न हव्वा को नष्ट करने के लिए कहा।

-आइए ईव का जवाब पढ़ें:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:2-3

2- औरत ने सर्प से कहा, हम बाटिका के वृक्षों के फल खा सकते हैं,

3-परन्तु परमेश्वर ने कहा, कि बाटिका के बीच के वृक्ष का फल न खाना, और न छूना, नहीं तो मर जाओगे।

-परमेश्वर ने यह नहीं कहा कि आदम और हव्वा को फल को नहीं छूना चाहिए।

-परमेश्वर ने केवल इतना कहा कि आदम और हव्वा को फल नहीं खाना चाहिए।

-परमेश्वर की किताब में, हम पढ़ते हैं कि परमेश्वर ने केवल आदम को फल न खाने की आज्ञा दी।

-फिर भी आदम को परमेश्वर की आज्ञा भी हव्वा को परमेश्वर की आज्ञा थी।

-यद्यपि परमेश्वर के वचन कई साल पहले रहने वाले लोगों के लिए लिखे गए थे, परमेश्वर के वचन हमें भी लिखे गए हैं जो आज जी रहे हैं।

-परमेश्वर के पास काले लोगों के लिए एक संदेश नहीं है, और गोरे लोगों के लिए एक अलग संदेश है।

-परमेश्वर के पास अफ्रीकियों के लिए एक संदेश नहीं है, और यूरोपीय लोगों के लिए एक अलग संदेश है।

-परमेश्वर का संदेश सभी लोगों के लिए समान है।

-परमेश्वर का संदेश कल, आज और हमेशा के लिए एक ही है।

-आपको क्या लगता है कि शैतान ने हव्वा को क्या जवाब दिया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:4-5

4- “तुम निश्चय न मरोगे,” सर्प ने स्त्री से कहा।

5- "क्योंकि परमेश्वर जानता है कि जब तुम उसमें से खाओगे, तब तुम्हारी आंखें खुल जाएंगी, और तुम भले बुरे का ज्ञान पाकर परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे।"

-परमेश्वर ने आदम से क्या कहा कि अगर वे अच्छे और बुरे के ज्ञान के वृक्ष से खाएंगे तो क्या होगा?

-वे मर जाएंगे।

-शैतान ने हव्वा से क्या कहा कि अगर वे अच्छे और बुरे के ज्ञान के वृक्ष से खाएंगे तो क्या होगा?

-वे नहीं मरेंगे।

-परमेश्वर ने कहा कि अगर वे फल खाएंगे तो आदम और हव्वा मर जाएंगे।

-शैतान ने कहा कि आदम और हव्वा फल खाएंगे तो उनकी मृत्यु नहीं होगी।

-आपको क्या लगता है कि कौन सच कह रहा था, परमेश्वर या शैतान?

-परमेश्वर।

-शैतान परमेश्वर को क्या बुला रहा था?

-शैतान परमेश्वर को झूठा कह रहा था।

-शैतान ने हव्वा से और क्या कहा कि अगर वे अच्छे और बुरे के ज्ञान के वृक्ष से खाएंगे तो क्या होगा?

-शैतान ने कहा कि वे परमेश्वर के समान बनेंगे।

-क्या लोग परमेश्वर की तरह बन सकते हैं?

-नहीं।

-केवल ईश्वर ही ईश्वर है।

-शैतान झूठ बोल रहा था जब उसने हव्वा से कहा कि वह परमेश्वर के समान हो जाएगी।

-शुरुआत में शैतान ने परमेश्वर की अवज्ञा की।

-अब, शैतान चाहता था कि हव्वा परमेश्वर की अवज्ञा करे।

-परमेश्वर ने लोगों को उनके कहने के अनुसार जीने के लिए नहीं बनाया है।

-परमेश्वर ने लोगों को परमेश्वर के अनुसार जीने के लिए बनाया है।

-परमेश्वर ने लोगों को अपने नियमों से जीने के लिए नहीं बनाया है।

-परमेश्वर ने लोगों को परमेश्वर के नियमों से जीने के लिए बनाया है।

-आपको क्या लगता है हव्वा ने क्या किया?

-क्या हव्वा ने परमेश्वर या शैतान का पालन किया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:6

6 जब उस स्त्री ने देखा कि उस वृक्ष का फल खाने में अच्छा, और आंख को भाता है, और बुद्धि के लिये भी मनभावन है, तो उसने कुछ लेकर खा लिया। उसने अपने पति को भी दिया, जो उसके साथ था, और उसने उसे खा लिया।

-शैतान ने हव्वा को धोखा दिया, और हव्वा ने शैतान पर विश्वास किया।

-हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन किया और फल खा लिया।

-आदम ने भी परमेश्वर की अवज्ञा की, और फल खा लिया।

-आदम और हव्वा ने शैतान की बात सुनी।

-आदम और हव्वा ने परमेश्वर की नहीं सुनी।

-आदम और हव्वा ने परमेश्वर की अवज्ञा की।

-आदम और हव्वा ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की अवज्ञा की, वे परमेश्वर के शत्रु बन गए।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने शैतान की बात मानी, वे परमेश्वर के शत्रु बन गए।

-यहाँ एक दृष्टांत है:

-अगर आपका दोस्त आपसे दूर हो गया और आपके दुश्मन का पीछा करना शुरू कर दिया, जो आपको मारना चाहता था, तो क्या आपका दोस्त आपका दुश्मन बन जाएगा?

-हां।

-क्योंकि आदम और हव्वा परमेश्वर से दूर हो गए, वे परमेश्वर के शत्रु बन गए।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने शैतान का अनुसरण किया, वे परमेश्वर के शत्रु बन गए।

-आदम और हव्वा के पाप करने के बाद और क्या हुआ?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:7-8

7 तब उन दोनों की आंखें खुल गईं, और वे जान गए, कि वे नंगे हैं; तब उन्होंने अंजीर के पत्ते सिल दिए, और अपके लिथे ओढ़ने बनाए।

8-तब उस पुरूष और उसकी पत्नी ने यहोवा परमेश्वर का शब्द सुना जब वह दिन के ठण्डे समय में बाटिका में टहल रहा था, और वे परमेश्वर यहोवा से उस वाटिका के वृक्षों के बीच छिप गए।

-आदम और हव्वा के पाप करने के बाद, उन्होंने क्या महसूस किया?

-उन्हें एहसास हुआ कि वे नग्न थे।

-आदम और हव्वा के पाप करने के बाद, उन्होंने क्या किया जब उन्हें एहसास हुआ कि वे नग्न हैं?

-उन्होंने पत्तों के कपड़े बनाए।

-आदम और हव्वा के पाप करने के बाद, जब उन्होंने परमेश्वर को उन्हें देखने के लिए आते सुना तो उन्होंने क्या किया?

-वे परमेश्वर से छिप गए।

-क्या परमेश्वर से छिपना संभव है?

-नहीं।

-परमेश्वर से छिपना क्यों संभव नहीं है?

-परमेश्वर हर जगह है।

-इससे पहले, आदम और हव्वा परमेश्वर के मित्र थे।

-अब, आदम और हव्वा परमेश्वर के शत्रु बन गए।

-इससे पहले, आदम और हव्वा परमेश्वर की संतान थे।

-अब, आदम और हव्वा शैतान की संतान बन गए।

-इससे पहले, आदम और हव्वा परमेश्वर के साथ-साथ चलते थे।

-अब, आदम और हव्वा परमेश्वर से छिप गए।

-इससे पहले, आदम और हव्वा ने परमेश्वर का अनुसरण किया।

-अब, आदम और हव्वा ने शैतान का अनुसरण किया।

-इससे पहले, आदम और हव्वा बुराई को नहीं जानते थे।

-अब, आदम और हव्वा बुराई को जानते थे।

-इससे पहले, आदम और हव्वा शर्मिंदा नहीं थे।

-अब, आदम और हव्वा लज्जित हो गए।

-शैतान किससे नफरत करता है?

-शैतान परमेश्वर और सभी लोगों से नफरत करता है।

-शैतान परमेश्वर से घृणा करता है, और परमेश्वर के कार्य को नष्ट करने का प्रयास करता है।

-शैतान सभी लोगों से नफरत करता है, और सभी लोगों को नष्ट करने की कोशिश करता है।

-क्या शैतान चाहता है कि आप परमेश्वर का वचन सुनें?

-नहीं।

-शैतान क्यों नहीं चाहता कि आप परमेश्वर का वचन सुनें?

-क्योंकि शैतान सभी लोगों से घृणा करता है, और चाहता है कि वे अनन्त आग की झील में चले जाएँ।

-यदि आप परमेश्वर के वचन को सुनते हैं, तो आप अनन्त आग की झील से बचना सीख सकते हैं।

-यदि आप परमेश्वर के वचन को नहीं सुनते हैं, तो आप यह नहीं सीखेंगे कि अनन्त आग की झील से कैसे बचा जाए।

-परमेश्वर चाहता है कि आप उसके वचन को सुनें।

-शैतान नहीं चाहता कि आप परमेश्वर के वचन को सुनें।

-मुझे आशा है कि आप परमेश्वर के वचन को सुनेंगे।